

मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा

लेख 1।

सभी मनुष्यों का जन्म स्वतंत्र और समान सम्मान और अधिकार में हुआ है। वे तर्क और विवेक के साथ संपन्न होते हैं और भाईचारे की भावना से एक दूसरे के प्रति कार्य करना चाहिए।

अनुच्छेद 2।

हर कोई इस घोषणा में उल्लिखित सभी अधिकारों और स्वतंत्रता का हकदार है, किसी भी प्रकार का भेद किए बिना, जैसे कि जाति, रंग, लिंग, भाषा, धर्म, राजनीतिक या अन्य मत, राष्ट्रीय या सामाजिक मूल, संपत्ति, जन्म या अन्य स्थिति। इसके अलावा, राजनीतिक, अधिकार क्षेत्र या के आधार पर कोई भेद नहीं किया जाएगा देश या क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय स्थिति, जो किसी व्यक्ति की है, चाहे वह स्वतंत्र हो, भरोसा हो, स्व-शासन या संप्रभुता के किसी अन्य सीमा के तहत।